



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

22 पौष 1945 (श०)

(सं० पटना 47) पटना, शुक्रवार, 12 जनवरी 2024

सं०-०८ / आरोप-०१-३० / २०१९ सा०प्र०-२०३२७
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

1 नवम्बर 2023

श्री सुधीर कुमार, बिप्र०से०, कोटि क्रमांक-५४३/२०२३,(७००/२०१९) तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी, बखरी, बेगूसराय के विलङ्घ आर०टी०पी०एस० पर प्राप्त आवेदन के आलोक में राशन कार्ड निर्गमन, चिन्हित अपात्र लाभुकों का नाम पात्रता सूची से हटाने एवं उनको निर्गत राशन कार्ड का रद्दीकरण के अतिरिक्त आर०टी०पी०एस० पर प्राप्त प्राप्त आवेदनों को लम्बे अंतराल तक लम्बित रखने संबंधी आरोप पत्र जिला पदाधिकारी, बेगूसराय के पत्रांक ६७ दिनांक २५.०१.२०२० द्वारा अनुशासनिक कार्रवाई हेतु प्राप्त हुआ।

उक्त क्रम में विभागीय पत्रांक ४४०४ दिनांक २८.०४.२०२० द्वारा श्री कुमार से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्री कुमार के पत्रांक २७४ दिनांक ०१.०७.२०२० द्वारा स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ। विभागीय पत्रांक २३६४ दिनांक २२.०२.२०२१ द्वारा उक्त स्पष्टीकरण पर जिला पदाधिकारी, बेगूसराय से मंतव्य की मांग की गयी। जिला पदाधिकारी, बेगूसराय के पत्रांक ४२ दिनांक १७.०१.२०२२ द्वारा अपना मंतव्य उपलब्ध कराया गया। जिसकी समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर की गयी एवं पाया गया कि जिला पदाधिकारी, बेगूसराय द्वारा अपने मंतव्य में श्री कुमार के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं पाया गया है। अतएव आरोप पत्र पुनर्गठित कर श्री कुमार के विलङ्घ अग्रेतर कार्रवाई का निर्णय अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा लिया गया।

उपर्युक्त निर्णय के आलोक में श्री कुमार के विलङ्घ विभागीय स्तर पर आरोप पत्र पुनर्गठित करते हुए अनुशासनिक प्राधिकार के अनुमोदनोपरांत विभागीय पत्रांक ९३९६ दिनांक १०.०६.२०२२ द्वारा श्री कुमार से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। जिसके आलोक में श्री कुमार के पत्रांक १०६२ दिनांक २६.०५.२०२३ द्वारा स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ, जिसमें श्री कुमार द्वारा आरोपवार/कंडिकावार स्थिति स्पष्ट करते हुए आरोपों से इन्कार किया। श्री कुमार से प्राप्त स्पष्टीकरण पर विभागीय पत्रांक १२२८९ दिनांक २७.०६.२०२३ द्वारा जिला पदाधिकारी, बेगूसराय से मंतव्य की मांग की गयी। जिला पदाधिकारी, बेगूसराय के पत्रांक ७०३ दिनांक ११.०९.२०२३ द्वारा प्राप्त मंतव्य प्राप्त हुआ, जिसमें जिला पदाधिकारी द्वारा अंकित किया गया कि वर्तमान में प्राप्त स्पष्टीकरण एवं पूर्व में प्राप्त स्पष्टीकरण से भिन्न कोई विषय वस्तु नहीं रहने के कारण पूर्व में भेजे गये मंतव्य को वर्तमान स्पष्टीकरण पर मंतव्य के रूप में स्वीकार किया जाय। मंतव्य निम्नवत है:-

(i) जिला पदाधिकारी, बेगूसराय द्वारा मंतव्य में अंकित किया गया है कि श्री कुमार, तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी, बखरी द्वारा राशन कार्ड के निर्गमन पर प्रस्तुत स्पष्टीकरण में जिला स्तर से गठित आरोप पत्र का अवलोकन किया गया। श्री कुमार ने अपने जबाब में बेगूसराय के अन्य अनुमंडलों से अच्छी प्रगति होने का दावा किया है, जबकि आरोप पत्र में उल्लेखित विभागीय पत्र 3301 दिनांक 19.07.2019 के अवलोकन से स्पष्ट है कि बेगूसराय जिला के बखरी अनुमंडल में दिनांक 11.07.2019 को प्राप्त आवेदन एवं निष्पादन में सबसे ज्यादा अन्तराल था। इस कार्यालय से पूछे गये स्पष्टीकरण एवं श्री कुमार द्वारा दिये गये स्पष्टीकरण से स्पष्ट है कि दिनांक 21.08.2019 तक आर0टी0पी0एस0 से प्राप्त कुल-4404 आवेदन लंबित थे, जबकि दिनांक 15.08.2019 तक ही निष्पादित करने का निर्देश था एवं 876 अन्त्योदय परिवारों को चिन्हित भी नहीं किया गया था तथा 1343 अन्त्योदय परिवारों को नया राशन कार्ड भी नहीं दिया गया। श्री कुमार ने अपने स्पष्टीकरण में बताया कि डाटा लॉक रहने के कारण उसका निष्पादन नहीं किया जा सका। डाटा लॉक होने के पहले उसके निष्पादन की भी जिम्मेदारी उन्हीं की थी।

दिनांक 23.08.2019 को स्पष्टीकरण के समय राशन कार्ड संशोधन हेतु 267 लंबित थे। दिनांक 29.08.2019 के स्पष्टीकरण में उन्होंने अंकित किया है कि इससे संबंधित विडियो कान्फ्रैंसिंग में ये अनुपस्थित थे एवं प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा इन्हें इस मामले से अवगत नहीं कराया गया था, इसलिए लंबित रह गया था। जानकारी प्राप्त करना इन्हीं की जिम्मेवारी थी। अतः निष्कर्षतः श्री कुमार के विरुद्ध लगाये गये आरोप सही है। यद्यपि दिनांक 23.08.2019 के स्पष्टीकरण के पश्चात इनके द्वारा निष्पादन में सुधार करने का प्रयास किया गया था एवं संतोषप्रद कार्य किया गया।

(ii) आरोप पत्र का आधार केवल दिनांक 23.08.2019 का स्पष्टीकरण नहीं है, बल्कि विभागीय पत्रांक 729 दिनांक 12.02.2019, विभागीय पत्रांक 3301 दिनांक 19.07.2019 एवं विभागीय पत्रांक 5599 दिनांक 26.11.2019 है।

श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप, उनसे प्राप्त स्पष्टीकरण एवं जिला पदाधिकारी, बेगूसराय द्वारा दिये गये मंतव्य का अवलोकन, विश्लेषण एवं समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर की गयी एवं पाया गया कि जिला पदाधिकारी ने अपने मंतव्य के कंडिका-1 के अंतिम पारा में अंकित किया है कि –“अतः निष्कर्षतः श्री कुमार के विरुद्ध लगाये गये आरोप सही है। यद्यपि दिनांक 23.08.2019 के स्पष्टीकरण के पश्चात इनके द्वारा निष्पादन में सुधार करने का प्रयास किया गया था एवं संतोषप्रद कार्य किया गया।”

उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में सम्यक विचारोपरांत श्री सुधीर कुमार, बिप्र0टी0, कोटि क्रमांक-543/2023, तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी, बखरी, बेगूसराय सम्प्रति भूमि सुधार उप समाहर्ता, बक्सर सदर को जिला पदाधिकारी, बेगूसराय द्वारा प्रतिवेदित आरोप के आलोक में बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण एवं अपील) यथासंशोधित नियमावली, 2005 के संगत प्रावधानों के तहत निम्न शास्ति अधिरोपित/संसूचित की जाती है:-

- (i) निव्वन (वर्ष-2019-20)
- (ii) 01 (एक) वेतनवृद्धि असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

आदेश-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
किशोर कुमार प्रसाद,
सरकार के संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 47-571+10-डी0टी0पी0

Website: <http://egazette.bih.nic.in>